ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)-८४८१२५

बुलेटिन संख्या-४४
दिनांक- मंगलवार, ३० जून, २०२०

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः ३०.१ एवं १९.२ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ८४ प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में ५३ प्रतिशत, हवा की औसत गति १०.० कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण १.४ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन २.१ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में २८.० एवं दोपहर में ३२.४ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में १५.६ मि०मी० वर्षा रिकार्ड हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(०१-०५ जुलाई, २०२०)

- ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी ०१ -०५ जुलाई तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-
- अगले १-२ दिनों तक उत्तर बिहार के जिलों में अच्छी वर्षा की सम्भावना नहीं है। हलाकि उसके बाद अच्छी वर्षा होने की सम्भावना में वृद्धि हो सकती है तथा अनेक स्थानो पर हल्की से मध्यम वर्षा हो सकती है। एक - दो स्थानों पर भारी वर्षा की भी सम्भावना है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान ३० से ३३ डिग्री सेल्सियस एवं न्यूनतम तापमान २४-२९ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन १०-१३ कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से पूरवा हवा चलने का अनुमान है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में ८० से ९० प्रतिशत तथा दोपहर में ५० से ६० प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- उत्तर बिहार के अनेक स्थानों पर विगत पूर्वानुमान की अवधि में वर्षा हुई है तथा पूर्वानुमान की अवधि में भी वर्षा की संभावना को देखते हुए धान की रोपाई हेतु, किसान भाई वर्षा जल का संग्रह खेत में करने के लिए मेड़ों को मजबूत बनाने का कार्य करें।
- जो किसान भाई धान का बिचड़ा अब तक नहीं गिराये हों, नर्सरी गिराने का कार्य १० जुलाई तक सम्पन्न अवश्य कर लें। धान की अगात किस्में जैसे-प्रभात, धनलक्ष्मी, रिछारिया, साकेत-४,राजेन्द्र भगवती एवं राजेन्द्र नीलम उत्तर बिहार के लिए अनुशसित है। एक हेक्टेयर क्षेत्रफल में रोपाई हेतु ८००-१००० बर्ग मीटर क्षेत्रफल में बीज गिरावें। नर्सरी में क्यारी की चौड़ाई १.२५-१.५ मीटर तथा लम्बाई सुविधानुसार रखें। बीज को बविस्टिन २ ग्राम प्रति किलोग्राम की दर से मिलाकर बीजोपचार करें। जिन किसानों के पास धान का विचड़ा तैयार हो वे नीची तथा मध्यम जमीन में रोपनी करें। धान की रोपाई के समय उर्वरकों का व्यवहार सदैव मिट्टी जाँच के आधार पर करें।
- उचॅास जमीन में अरहर की बुआई करें। उपरी जमीन में बुआई के समय प्रति हेक्टेयर २० किलोग्राम नेत्रजन, ४५ किलोग्राम स्फुर,२० किलोग्राम पोटाश तथा २० किलोग्राम सल्फर का व्यवहार करें। बहार, पूसा ९, नरेद्र अरहर १, मालवीय-१३, राजेन्द्र अरहर-१ आदि किस्में बुआई के लिए अनुशसित है। बीज दर १८-२० किलोग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। बुआई के २४ घंटे पूर्व २.५ ग्राम थीरम दवा से प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचार करे। बुआई के ठीक पहले उपचारित बीज को उचित राईजोबियम कल्चर से उपचारित कर बुआई करनी चाहिए।
- जिन खेतों में बरसात का जल जमाव हो गया है। उन खेतों से जल निकास की उचित व्यस्था करे। दो-तीन दिनों के बाद या वर्षा ना होने की स्थिति में अरहर एवं सुर्यमुखी की बुआई के लिए खेत की तैयारी करें । खेत की जुताई में गोबर की खादध्कम्पोस्ट का अधिक से अधिक प्रयोग करें। यह भूमि की जलधारण क्षमता एवं पोषक तत्व की मात्रा बढ़ाती है।
- जो किसान भाई खरीफ प्याज का बिचड़ा अब तक नहीं गिराये हों, उथली क्यारिओं में यथाशीघ्र नर्सरी गिरावें। नर्सरी में जल निकास की व्यवस्था रखें। एन०-५३, एग्रीफाउण्ड डीक रेड, अर्का कल्याण, भीमा सुपर खरीफ प्याज के लिए अनुशंसित किस्में है। बीज को कैप्टान या थीरम/ २ ग्राम प्रति किलो बीज की दर से मिलाकर बीजोपचार कर लें। पौधशाला को तेज धूप एवं वर्षा से बचाने के लिए ४०% छायादार नेट से ६-७ फीट की ऊचाई पर ढ़क सकते है। प्याज के स्वस्थ पौध के लिए पौधशाला से नियमित रूप से खरपतवार को निकालते रहें। कीट-व्याधियों से नर्सरी की निगरानी करते रहें।
- उचॅास जमीन में बरसाती सब्जियाँ जैसे- भिंडी, लौकी, नेनुआ, करैला, खीरा की बुआई करें। गरमा सब्जियों की फसल में कीट-व्याधियों की निगरानी करते रहें।
- तिल की बुआई करें। कृष्णा, काँके सफेद, कालिका और प्रगति तिल की अनुशंसित किस्में हैं। बुआई के समय प्रति हेक्टेयर ६० किवन्टल कम्पोस्ट, २० किलो नेत्रजन, २० किलो स्फुर एवं २० किलो पोटाष का व्यवहार करें। बीज दर ४ कि०ग्रा० प्रति हेक्टेयर तथा कतार से कतार एवं पौध से पौध की दुरी ३० से०मी० ग १० से०मी० रखें। २.० ग्राम थीरम दवा से प्रति किलोग्राम बीज को उपचारित कर बुआई करे।
- लीची के बागों में फलों के तोड़ाई के बाद बागों की सफाई व पेड़ों के उम्र के अनुसार अनुशंसित उर्वरकों का व्यवहार करें, जिससे अगले वर्ष वृक्षों के फलन वृद्धि में सहायक होगा।

आज का अधिकतम तापमानः २९.५ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ४.५ डिग्री कम	आज का न्यूनतम तापमानः १९.२ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ६.४ डिग्री कम

(डॉ० गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी